भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3902

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आकांक्षी जिलों में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना

3902. श्री वीरेन्द्र सिंहः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के संबंध में देश के आकांक्षी जिलों के लिए कोई विशेष योजना बनाने/शुरू करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन कर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयास को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से समय-समय पर प्रस्ताव प्राप्त होते रहते हैं। इन प्रस्तावों को निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति तथा निधियों की उपलब्धता की शर्त पर परियोजनाओं का रूप दिया जाता है।

इसके अलावा, सरकार ने 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' के हिस्से के रूप में पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत जनजातीय होमस्टे विकसित करने की पहल को मंजूरी दी है। उक्त पहल में नए निर्माण के लिए प्रति इकाई 5.00 लाख रुपये तक, नवीनीकरण के लिए 3.00 लाख रुपये तक और ग्रामीण समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5.00 लाख रुपये तक की सहायता के साथ 1000 होमस्टे का विकास शामिल है।

****